बौद्ध धर्म का प्रसार

डॉ. कमलेश कुमार

सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग

SNSRKS COLLEGE SAHARSA

बौद्ध धर्म का प्रसार

मध्यममार्गी दर्शन एवं प्रासंगिक शिक्षा के कारण बौद्ध धर्म का भारत से बाहर विभिन्न देशों में भी प्रसार हुआ. विभिन्न शासकों के काल में इसके प्रसार की झलक नीचे देखी जा सकती है.

बुद्ध काल में बौद्ध धर्म का प्रसार -

बुद्धकाल में इसका प्रसार केवल गंगा घाटी में ही हो सका.

मौर्यकाल में प्रसार -

मौर्यकाल में इसका श्रीलंका, म्यामांर तथा नेपाल में प्रसार हुआ.

मौर्योत्तर काल में प्रसार -

कनिष्क के शासन काल में इसका मध्य एशिया, तिब्बत, चीन तथा दक्षिण पूर्व एशिया में प्रसार हुआ.

गुप्तकाल में प्रसार -

हर्ष के शासन काल में इसका प्रसार जापान एवं कोरिया में हुआ.

गुप्त काल के बाद बौद्ध धर्म के प्रसार में गिरावट आने लगी तथा पूर्व मध्य काल आते आते इसका पतन हो गया.

बौद्ध धर्म ने भाषा एवं साहित्य (पालि) के विकास के साथ ही कला एवं स्थापत्य (स्थापत्य, मूर्तिकला, चित्रकला) के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया| इसके आलावा सामाजिक सौहार्द्र, विश्व शांति सन्देश को पूरी दुनिया में फैलाया| इसने भारत की वैश्विक पहचान दिलायी|